सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 227 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार 23 सितम्बर, 2025
मूल्य ₹ 3/-

किसी को सिर्फ अपने धर्म का सम्मान और दूसरों के धर्म की निंदा नहीं करनी चाहिए।
-सम्राट अशोक

पंत का वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलना... 7 | बदली रणनीति से विस चुनावों... 3 | जीएसटी के नाम पर झूठ फैला... 2

बिहार चुनाव से पहले एनडीए में बिखराव

चिराग पासवान के बगावती तेवर

» नहीं बन पा रही सीट शेयरिंग पर बात

» जितने सियासी दल उतने राग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले एनडीए कुनबे में बिखराव की खबरें सामने आ रही हैं। कभी नीतीश कुमार के गठबंधन से अलग होने की खबर तो कभी मांझी और चिराग पासवान की ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ने की महत्वकांक्षा। एक बार फिर चिराग पासवान ने ऐसा बयान दिया है जिससे एनडीए में सन्नाटा है और कोई भी कुछ बोल नही रहा।

चिराग ने साफ कर दिया है कि सम्मान से समझौता नहीं होगा और नवरात्र में ही वह सबकुछ साफ कर देंगे। यानि कि चार दिनों के भीतर उनकी तरफ से साफ हो जाएगा कि लोजपा बिहार में कितनी सीटों पर चुनाव लड़ने जा रही है। पिछला चुनाव चिराग ने सभी सीटों पर लड़ा था जिससे जदयू को जबर्दस्त नुकसान हुआ था। चिराग पासवान के बारे में एक बात सब मानते हैं कि वह दिखते भोले हैं पर राजनीतिक खेल बड़े खेलते हैं। पिछली बार उन्होंने भाजपा की अप्रत्यक्ष मदद करते हुए नीतीश को अलग थलग कर दिया। नतीजा जेडीयू की हालत बिहार में खिचड़ी में नमक जैसी रह गई। अब 2025 के चुनाव में चिराग उसी रुख पर हैं। उनका संदेश साफ है जिन्होंने हमारा साथ दिया हमने उनका साथ दिया। जिनसे लड़े, उन्होंने अपना वजूद खो दिया।

चिराग की मुट्ठी में जीत

बिहार विधानसभा 2020 का चुनाव बताता है कि बिहार में छोटे दल भी बड़ा खेल खेल सकते हैं। चिराग ने अकेले चुनाव लड़कर नीतीश की जड़ें हिला दीं। भाजपा को इसका लाभ मिला लेकिन आज वही भाजपा चिराग की शर्तों से परेशान है। इतिहास कहता है जो सीटों पर झगड़ता है वह जनता की सीट हारता है। बिहार चुनाव की कहानी धीरे धीरे स्पीड पकड़ रही है ऐसे में सीटों का झगड़ा अब और तेज होगा। रायता इतना फैलेगा कि समेटना मुश्किल होगा। अगर भाजपा सबको साध लेती है तो सत्ता में वापसी संभव है। लेकिन अगर चिराग और मांझी जैसे साथी बगावत पर उतर आए तो बिहार की राजनीति का नक्शा बदल जाएगा। और अगर बिहार हारा तो दिल्ली की सरकार पर भी संकट आ जाएगा।

नीतीश ध्रुव तारा या डूबता जहाज?

नीतीश कुमार की राजनीति हमेशा कुर्सी और गणित पर टिकी रही है। लेकिन इस बार उनकी हालत वैसी है जैसे बारिश में छाते के बिना खड़े आदमी की। न भाजपा पूरी तरह भरोसा कर रही है न ही चिराग जैसे सहयोगी उन्हें सलाम ठोकने के मूड में हैं। नीतीश जानते हैं कि अगर सीटें कम मिलेंगी तो उनका मुख्यमंत्री बनना नामुमकिन है। और अगर ज्यादा मांगेंगे तो चिराग और मांझी जैसे साथी भड़क जाएंगे। ऐसे में उनके सामने बड़ी मुसीबत है कि वह क्या करें। वहीं उनके खुद के साथी भी उन्हें आंखे तरेर रहे हैं। क्या नीतिश के साथ यह राजनीतिक खेल बीजेपी के इशारे पर हो रहा है। क्योंकि बीजेपी चाहती है कि जदयू दबाव में रहे ताकि वह ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़कर जीत हासिल करें और अपना मुख्यमंत्री बनवा सके। नीतिश कुमार भी बीजेपी के इस खेल को समझ चुके है और संभल कर चल रहे हैं।

बिहार नहीं तो दिल्ली भी नहीं

बात सिर्फ पटना की नहीं है। इस बार दिल्ली की गद्दी की किस्मत भी बिहार से जुड़ चुकी है। भाजपा जानती है कि बिहार में अगर सरकार नहीं बनी तो केन्द्र की मोदी सरकार अल्पमत में चली जाएगी। इसलिए इस चुनाव को जीवन मरण का प्रश्न मान लिया गया है। भाजपा ने अपनी पूरी ताकत बिहार में झोंक दी है। पीएम मोदी की रैलियां, गृहमंत्री अमित शाह की रणनीति और डिजिटल प्रचार का महासंग्राम सभी कुछ एक साथ चल रहा है। लेकिन एक चीज जो तनाव दे रही है वह है साथी राजनीतिक पार्टियों की सियासी भूख। हर कोई अपने लिए ज्यादा सीट चाहता है।

भावनाओं और अपमान का जोड़-घटाव भी

इस बार का चुनावी गणित सिर्फ अंकगणित नहीं है बल्कि भावनाओं और अपमान का जोड़-घटाव भी चुनाव में शामिल हो चुका है। भाजपा चाहती है कि बिहार चुनाव में उसका वर्चस्व कायम रहे। वहीं नीतीश चाहते हैं कि उन्हें बराबरी का हिस्सा मिले। चिराग पासवान चाहते हैं कि वह चुनाव के बाद किंगमेकर बन कर उभरे और सारी कोशिशें उसी के लिए कर रहे हैं। वहीं जीतन राम मांझी चाहते हैं कि वह दलित राजनीति के अकेले मालिक बने रहें।

मांझी भी कम नहीं

जहां-जहां सीटों का मोलभाव होता है वहां जीतनराम मांझी अपनी हाजिरी जरूर लगाते हैं। उनकी पार्टी छोटी है पर सीटों की मांग बड़ी। मांझी की राजनीति वैसी है जैसे दूध में डाली गई नींबू की बूंद न ज्यादा न कम पर असरदार। वह जानते हैं कि भाजपा और नीतीश दोनों ही दलित वोट बैंक को नजरअंदाज नहीं कर सकते। इसलिए वह दबाव बनाकर सम्मानजनक सीटों का दांव खेल रहे हैं।

सम्मानजनक सीटों पर अड़े चिराग पासवान

चिराग पासवान ने साफ शब्दों में कहा है कि वे सम्मानजनक सीटों पर कभी समझौता नहीं करेंगे। उनके इस बयान ने यह संकेत दिया है कि अगर उन्हें उनकी पार्टी की ताकत के हिसाब से सीटें नहीं मिलीं, तो वे कोई भी सख्त कदम उठाने से पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने ये भी कहा, सम्मान से समझौता कर कौन किस गठबंधन में रहा है, यह सबको पता है, जिससे उन्होंने गठबंधन के अन्य दलों पर भी तंज कसा। चिराग का यह रुख साफ दिखाता है कि लोजपा (रामविलास) अपनी पहचान और ताकत को कमजोर नहीं होने देना चाहती।

जीएसटी के नाम पर झूठ फैला रही भाजपा : अखिलेश यादव

बोले सपा प्रमुख-जनता ऐसे लोगों को साथ में बाजार लेकर जाए और इनके झूठ की पोल खोले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जीएसटी को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है। सपा प्रमुख ने कहा है कि जीएसटी के नाम पर 'उदाहरण के साथ' सब चीज़ों का रेट 50 प्रतिशत पर बताने वाले ऐसे लोग, जिन्हें कुछ भी नहीं पता वो ना ही बोलें तो भला है। ये झूठे भले न हों पर अज्ञानी ज़रूर हैं। अभी इनके पास दिल्ली या वित्त मंत्री जी की तरफ़ से 'समझाइश के रूप में डपटाई' का फ़ोन आता होगा। ऐसा फ़ोन लखनऊ से नहीं आएगा क्योंकि उधर भी हाल ऐसा ही है। जनता ऐसे लोगों को साथ में बाज़ार लेकर जाए और इनके झूठ की पोल खोले तो इनकी अक्ल ठिकाने आए। भाजपाई मुँह पर झूठ बोलने का ब्रह्मांड रिकार्ड बना रहे हैं।

वंही एक पोस्ट में कहा जनता पूछ रही है भाजपा सरकार ने पिछले आठ सालों में जो वसूली जीएसटी के नाम पर की है, वो कुल राशि उप्र भाजपा सरकार के महाकुंभ मॉडल की तरह पुलिस द्वारा 'घर' पर 'कैश' पहुंचाई जाएगी। सपा प्रमुख ने जीएसटी संग्रह को लेकर जनता के हवाले से सवालों की झड़ी लगा दी।

उन्होंने जीएसटी की धनराशि लौटाने के लिए दस सवाल पूछे हैं। यादव ने अपने आधिकारिक एक्स खाते पर रोस्ट में कहा

योगी की फिल्म पर अखिलेश यादव का तंज

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने योगी पर बनी फिल्म पर तंज करते हुए कहा कि केस वापसी का, कार पलटने का सीन है या नहीं, बुलडोजर का स्टंट है या नहीं है? डायलॉग ओरिजनल है या... ? आपसी लड़ाई के सीन है या नहीं? सपा चीफ अखिलेश यादव ने योगी की फिल्म को लेकर कहा मूवी तो फ्लॉप होने से पहले ही फ्लॉप हो गई है। इस फिल्म से जुड़े सवाल पर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि आप ये बताएं कि उस मूवी में डायलॉग हैं या बीप लगी है. वो मुकदमा पलटने वाला सीक्वेंस है कि नहीं है, कार पलटने वाला सीन है या नहीं है, बुलडोजर स्टंट है कि नहीं है. आपस की लड़ाई का क्लाइमेक्स है या नहीं, डिप्टी सीएम के पर्दे के पीछे वाले डायलॉग है या नहीं।

चुनावी प्रक्रिया को ध्वस्त कर रही है भाजपा

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर चुनावी प्रक्रिया को ध्वस्त करने का आरोप लगाते हुए बड़ा बयान दिया है। अखिलेश का कहना है कि भाजपा मतदान वाले दिन फर्जी आधार कार्ड बनवाकर नकली वोट डलवाती है। उन्होंने प्रशासन और चुनाव आयोग पर भी सवाल खड़े कर दिए। अब तक चुनाव के दौरान मतदान प्रक्रि या बाधित किए जाने से संबंधित 18 हजार एफिडेविट का मामला उठाने वाले अखिलेश यादव ने फर्जी आधार कार्ड वाला नया बम फोड़ा है।

जनता पूछ रही है भाजपा सरकार ने पिछले आठ सालों में जो वसूली जीएसटी के नाम पर की है, वो कुल राशि उप्र भाजपा सरकार के महाकुंभ मॉडल की तरह पुलिस द्वारा 'घर' पर 'कैश' पहुंचाई जाएगी।

आजम खां पैदाइशी समाजवादी हैं कहीं नहीं जाएंगे : एटी हसन

» मुलाकात की बात पर बोले सपा के पूर्व सांसद- दिल नहीं करता आजम खां से मिलूं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुरादाबाद। डॉ. एसटी हसन पूर्व सपा सांसद मुरादाबाद से जब पूछा गया कि क्या वह आजम खां से मिलने जाएंगे, तो उन्होंने कहा वक्त बताएगा। सच तो यह है कि पूरा मीडिया मुझे एक हफ्ता तक चलाता रहा और सबको मालूम है कि जो हालात मेरे ऊपर गुज़रे हैं, उसकी वजह वो (आजम खां) खुद ही हैं। मेरा दिल नहीं चाहता कि मैं उनके पास जाऊं। हां, अगर उनका हुक्म हुआ तो मैं जाऊंगा।

समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता और फाउंडर मेंबर आजम खान की रिहाई की खबर के बाद पूर्व सांसद एसटी हसन खुद समझ नहीं पा रहे आखिर उन्हें कहना क्या है। आजम खान के जेल से आने की उन्हें बेहद खुशी है लेकिन यदि आजम खान बसपा में गए तो सपा को कोई नुकसान होने वाला नहीं क्योंकि मुस्लिम वोट उसका कोर वोट बैंक है वो सपा से हटकर और कहीं जाने वाला नहीं। जब उनसे पूछा गया कि चर्चा है आजम खां बहुजन समाज पार्टी (बसपा) का दामन थाम सकते हैं, तो एसटी हसन ने इसे सिरे से खारिज कर ये हुए कहा कि आजम खां पैदाइशी समाजवादी हैं। उन्होंने इस पार्टी के लिए मेहनत की है इलाज जड़ों में उनकी मेहनत है। आजम बसपा में गए तो क्या समाजवादी पार्टी को नुकसान होगा? इस सवाल पर सपा सांसद एसटी हसन ने मान लिया कि थोड़ा बहुत नुकसान जरूर होगा, लेकिन कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा। समाजवादी पार्टी से वैसे ही लोग जुड़े हुए हैं जैसे पहले थे। मुसलमान किसी एक नेता की वजह से जुड़े नहीं हैं।

भारत को ट्रंप सरकार के आगे नहीं झुकना चाहिए : ओवैसी

» एआईएमआईएम प्रमुख ने पीएम मोदी पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के आगे झुकना नहीं चाहिए।

ओवैसी ने ट्रंप प्रशासन द्वारा एच1बी वीजा शुल्क बढ़ाकर 1,00,000 अमेरिकी डॉलर करने के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इसका असर भारतीयों पर पड़ेगा क्योंकि इस तरह के वीजा धारकों में लगभग 71 प्रतिशत भारतीय नागरिक हैं और इनमें से अधिकांश लोग आंध्र प्रदेश और तेलंगाना से हैं। उन्होंने कहा, मैं राजनीतिक लाभ नहीं उठाना चाहता। लेकिन मोदी सरकार को इस बात पर विचार करना चाहिए कि पाकिस्तान के सैन्य प्रमुख ने ट्रंप के साथ रात्रिभोज किया और हम अपने पड़ोसी देश को अमेरिका के साथ व्यापार समझौता करते हुए भी देख रहे हैं। इस घटनाक्रम का क्या मतलब है? हैदराबाद से लोकसभा सदस्य ने संवाददाताओं से कहा, अगर हम इन पर नियंत्रण नहीं कर पाए तो हमारे बच्चों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। हमें ट्रंप सरकार के आगे बिल्कुल नहीं झुकना चाहिए। उन्होंने पूछा कि 'हाउडी मोदी' और ट्रंप समर्थक अन्य कार्यक्रमों की क्या उपलब्धि है? ओवैसी ने कहा कि यह जरूरी है कि भारत को डॉलर-विमुद्रीकरण के बाद रुपये में व्यापार समझौते करने चाहिए।

पार्टी पर कब्जा करने की बुरी मंशा रखने वाले लोग कर रहे साजिश

» लालू की बेटी ने कहा- मेरी कोई राजनीतिक महत्वाकांक्षा नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद की बेटी रोहिणी आचार्य ने आरोप लगाया है कि ट्रोलर्स, बिकाऊ मीडिया और पार्टी पर कब्ज़ा करने की बुरी मंशा रखने वाले लोग उनके खिलाफ निराधार अफवाहें फैला रहे हैं।

उन्होंने एक्स पर लिखा कि मेरे संदर्भ में ट्रोलर्स, उद्दंडों, पेड - मीडिया एवं पार्टी हड़पने की कुत्सित मंशा रखने वालों के द्वारा फैलाये जा रहे तमाम अफवाह निराधार और मेरी छवि को नुकसान पहुँचाने के मकसद से किए जा रहे दुष्प्रचार का हिस्सा हैं .. मेरी कोई राजनीतिक महत्वाकांक्षा न कभी रही थी, न है और ना ही आगे रहेगी, न मुझे खुद

विधानसभा का प्रत्याशी बनना है, ना ही किसी को विधानसभा का प्रत्याशी बनवाना है, न राज्यसभा की सदस्यता की मेरी कोई आकांक्षा है, न ही परिवार के किसी भी सदस्य से मेरी किसी भी प्रकार की प्रतिद्वंदिता है और ना ही पार्टी या भविष्य में बनने वाली किसी भी सरकार में किसी पद की कोई लालसा है। रोहिणी आचार्य ने साफ तौर पर कहा कि मेरे लिए मेरा आत्म - सम्मान, मेरे माता-पिता के प्रति सम्मान व् समर्पण, मेरे परिवार की प्रतिष्ठा ही सर्वोपरि है। आचार्य का यह स्पष्टीकरण कुछ रहस्यमयी ट्वीट्स के बाद आया है, जिनसे यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि मेडिकल स्नातक से गृहिणी बनीं आचार्य, जो पिछले साल के लोकसभा चुनावों में सारण से पार्टी की उम्मीदवार थीं, अपने छोटे भाई तेजस्वी यादव के प्रभाव से नाखुश थीं। मीडिया के एक हिस्से में ऐसी खबरें आई हैं कि सिंगापुर में रहने वाली आचार्या, जिनके एक्स पर दो लाख से ज़्यादा फ़ॉलोअर्स हैं, लेकिन वे केवल तीन हैंडल्स को फ़ॉलो करती हैं, ने अपने पिता और छोटे भाई को अनफ़ॉलो कर दिया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति पर बरसे थरूर

» एच-1बी बीजा शुल्क बढ़ोत्तरीभारत को अल्पकालिक झटका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पूर्व विदेश राज्य मंत्री ने मंगलवार को बताया कि भारत और अमेरिका के बीच रक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सूचना प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में सहयोग जारी है। उन्होंने लोगों के बीच गहरे संबंधों की ओर भी इशारा किया और कहा कि 50 लाख से अधिक भारतीय मूल के लोग अमेरिका में रहते हैं, जिनमें सिलिकॉन वैली के छात्र और सीईओ भी शामिल हैं।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि एच-1बी वीज़ा शुल्क और अमेरिकी टैरिफ में हालिया बढ़ोतरी से भारत को तुरंत अल्पकालिक झटका लगा है, जिसका असर नौकरियों और व्यापार पर पड़ रहा है। हालाँकि, उन्होंने कहा कि यह द्विपक्षीय संबंधों के लिए वापसी का कोई बिंदु नहीं है, क्योंकि दोनों देशों के दीर्घकालिक हित अंततः संतुलन बहाल कर देंगे। पूर्व विदेश राज्य मंत्री ने मंगलवार को समाचार एजेंसी एएनआई को बताया कि भारत और अमेरिका के बीच रक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सूचना प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में सहयोग जारी है।

बदली रणनीति से विस चुनावों में उतरेगी सपा

छोटे दलों और सामाजिक संगठनों पर रहेगा फोकस

» यूपी विधानसभा चुनाव 27 पर है नजर

» पीडीए के सहारे भाजपा को चोट देने की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में आगमी 27 में होने वाले विधान सभा चुनाव के लिए सभी सियासी ने कमर कस लिया है। खास तौर से राज्य कीसबसे बड़ी विपक्ष पार्टी ने अभी से सारे समीकरण तय तोड़ करने प्रारंभ कर दिए है। सपा ने उत्तर प्रदेश में छोटे दलों और सामाजिक संगठनों को साथ लाने की विशेष रणनीति तैयार की है।

आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर इन दलों व संगठनों के साथ मजबूत संबंध बनाने का फैसला किया है। हालांकि, उसके पहले होने वाले पंचायत चुनाव में इन संगठनों के प्रभाव का आकलन किया जाएगा। सपा सूत्रों के मुताबिक, ये ऐसे दल हैं, जिनका प्रदेश स्तर पर तो कोई दखल नहीं है, लेकिन किसी जिला या तहसील स्तर पर खासा प्रभाव है। गाजियाबाद के अपनी जिंदगी-अपना दल और कानपुर की राष्ट्र उदय पार्टी के नेता लगातार सपा के संपर्क में हैं।

प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में स्थानीय स्तर पर सक्रिय

भारतीय मानव समाज पार्टी, पिछड़ा दलित विकास महासंघ, गांधीयन पीपुल्स पार्टी, राष्ट्रीय भागीदारी पार्टी, अति पिछड़ा समाज महासभा, राष्ट्रीय भागीदारी पार्टी, कंज्युमर प्रोटेक्शन एंड राईट काउंसिल आदि संगठनों के प्रतिनिधि पिछले दिनों सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात भी कर चुके हैं। सपा के रणनीतिकारों का मानना है कि इसका फायदा उन्हें आने वाले चुनाव में जरूर मिलेगा।

चुनावी तैयारियों पर चर्चा की

समाजवादी पार्टी (सपा) द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक, यादव ने औरैया जिले के पार्टी नेताओं के साथ चुनावी तैयारियों पर चर्चा की। बातचीत के दौरान, यादव ने कहा कि अगर जाति जनगणना शुरू की जाती है तो आरक्षण ठीक से लागू होगा और 'पीडीए' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) समुदाय की एकता और ताकत लोगों की समस्याओं का समाधान करेगी। उन्होंने कहा कि पीडीए सदस्यों की कड़ी मेहनत से ही पार्टी ने 2024 के लोकसभा चुनावों में प्रदेश में सबसे ज्यादा सीटें जीतीं। सपा प्रमुख ने भाजपा सरकार पर समाज में नफरत फैलाकर समानता, स्वतंत्रता और भाईचारे को कमजोर करने का आरोप लगाया।

तमिलनाडु चुनावों पर भाजपा की नजर

पार्टी ने बनाया एनडीए का कुनबा बढ़ाने का प्लान?

» कांग्रेस ने भी आरंभ की मोर्चाबंदी

» डीएमके व एआईडीएमके अपने वोट बैंक को मजबूत करने में लगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दक्षिण में अपनी पैठ को धीरे-धीरे जमाने की कोशिश में जुटी वहां के मतदाताओं के हर वर्ग पर नज़र रखते हुए, अपनी रणनीति को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों की पुष्टि के अनुसार, इसका ध्यान वोटों के बंटवारे को रोकने पर है, जिससे सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) को फ़ायदा हो सकता है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए, भाजपा छोटी पार्टियों को एनडीए के दायरे में लाने पर काम कर रही है। वहीं कांग्रेस ने भी मोर्चा संभाल लिया है।

कांग्रेस स्टालिन के साथ मिलकर किसी भी तरह से उसे रोकने की जुगत में लगी हुई है। तमिलनाडु की विशिष्ट चुनावी गतिशीलता को देखते हुए, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अगले साल की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में नए दलों को शामिल करने की तैयारी कर रही है। पार्टी ने मिशन मोड रणनीति अपनाई है, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आगामी चुनाव में डीएमके विरोधी वोट बंटे नहीं। मतदाताओं के हर वर्ग पर नजर रखते हुए, भाजपा ने अपनी रणनीति को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों की पुष्टि के अनुसार, इसका ध्यान वोटों के बंटवारे को रोकने पर है, जिससे सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) को फायदा हो सकता है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए, भाजपा छोटी पार्टियों को एनडीए

ओपीएस को अपने पाले में मिलाने की योजना

पूर्व उपमुख्यमंत्री ओ पन्नीरसेल्वम (ओपीएस) के बारे में सूत्रों का कहना है कि भाजपा उन्हें अपने पाले में लाने के लिए इच्छुक है। खबरों के मुताबिक, ओपीएस दिसंबर के अंत या जनवरी में भाजपा में शामिल हो सकते हैं, जिसका अन्नाद्रमुक स्वागत नहीं कर सकती। तमिल सुपरस्टार विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) को एनडीए में शामिल करने पर भी बहस चल रही है। एआईएडीएमके का मानना है कि पिल्लई जाति से आने वाले विजय, अगाड़ी जाति के वोट ला सकते हैं। हालाँकि, भाजपा अभी इसके पक्ष में नहीं है, क्योंकि उसका मानना है कि विजय केवल डीएमके के वोटों में सेंध लगाते हैं।

टीटीवी दिनाकरण ने पलानीस्वामी पर साधा निशाना

अम्मा मक्कल मुनेत्र कड़गम (एएमएमके) के महासचिव टीटीवी दिनाकरन ने एआईएडीएमके महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी की कड़ी आलोचना करते हुए दावा किया कि 2026 के चुनावों के बाद, पलानीस्वामी बीच सड़क पर खड़े रह जाएँगे। दिनाकरन ने कहा, एडप्पादी दावा करते हैं कि उन्होंने कृतज्ञता दिखाने के लिए भाजपा के साथ गठबंधन किया, लेकिन यह तैतान द्वारा शास्त्र पढ़ने से कम नहीं है। पलानीस्वामी को भाजपा ने नहीं, बल्कि उन 122 विधायकों ने बचाया था जो संकट के दौरान कूवथुर में ठहरे हुए थे। दिनाकरन ने कहा कि पलानीस्वामी झूठ बोल रहे हैं। उन्होंने आगे आरोप लगाया, कि वह झूठ का पुलिंदा हैं। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि 2026 के चुनावों में तमिलनाडु की जनता पलानीस्वामी को पूरी तरह से नकार देगी। उन्होंने कहा, एमएमके के एडप्पादी के साथ गठबंधन करने की कोई संभावना नहीं है। पलानीस्वामी ने दो पत्ती चुनाव चिन्ह और धनबल का इस्तेमाल करके केंद्र सरकार के साथ गठबंधन किया है।

प्रमुख गठबंधन सहयोगियों के बीच चर्चाएं शुरू

प्रमुख गठबंधन सहयोगियों के बीच चर्चाएँ शुरू हो चुकी हैं। इस हफ़्ते की शुरुआत में, ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) के नेता ई. पलानीस्वामी ने दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और चुनावी रणनीति और एआईएडीएमके से पहले निष्कासित नेताओं की संभावित वापसी पर विचार-विमर्श किया। हालांकि, अन्नाद्रमुक सूत्रों के अनुसार, ईपीएस ने अमित शाह से कहा कि भाजपा को अन्नाद्रमुक से निष्कासित नेताओं को पार्टी में शामिल नहीं करना चाहिए, क्योंकि इससे गठबंधन की एकता प्रभावित हो सकती है। इसके बावजूद, दोनों दलों ने सत्तारूढ़ द्रमुक सरकार से जुड़े जन मुद्दों के समाधान के लिए अगले महीने से एक संयुक्त अभियान शुरू करने पर सहमति जताई है। पूर्व नेताओं को फिर से शामिल करने का मामला अभी भी अनसुलझा है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

अपने देश की प्रतिभाओं को रोकने की कोशिश हो

देश की सरकार बाते तो बड़ी-बड़ी करती है पर इन प्रतिभाओं का ध्यान नही देती है अगर सरकारे अच्छी योजनाएं लाए तो ये पेशेवर अपने ही देश में जम सकते हैं। अमेरिकी नियमों में बदलाव वहां काम कर रहे भारतीय पेशेवरों की परेशानियां बढ़ाने वाला जरूर है लेकिन दूसरी ओर यह भारत के लिए प्रतिभा पलायन रोकने की दिशा में कदम उठाने का सुनहरा मौका भी है।

अमेरिका ने ओर से एच-1बी वीजा के लिए शुल्क लगाकर भारतीय कामगारों के लिए चिंता बढ़ा दी है। अब भारत को इससे निकलने के लिए अपने देश के प्रतिभाओं को और संसाधन देने होंगे ताकि वह अपने ही देश में रहें हैं। चूकि सरकारी योजनाओं में लचरपन की वजह से भारत के मेधावी विदेश चले जाते हैं। वहां जाकरवह अच्छा काम करते है। देश की सरकार बाते तो बड़ी-बड़ी करती है पर इन प्रतिभाओं का ध्यान नही देती है अगर सरकारे अच्छी योजनाएं लाए तो ये पेशेवर अपने ही देश में जम सकते हैं। अमेरिकी नियमों में बदलाव वहां काम कर रहे भारतीय पेशेवरों की परेशानियां बढ़ाने वाला जरूर है लेकिन दूसरी ओर यह भारत के लिए प्रतिभा पलायन रोकने की दिशा में कदम उठाने का सुनहरा मौका भी है। अमरीका की ओर से एच-1बी वीजा के लिए किया गया नियमों में बदलाव वहां काम कर रहे भारतीय पेशेवरों की परेशानियां बढ़ाने वाला जरूर है लेकिन दूसरी ओर यह भारत के लिए प्रतिभा पलायन रोकने की दिशा में कदम उठाने का सुनहरा मौका भी है। वीजा नियमों की अस्पष्टता के बीच अमरीकी कंपनियों ने देश से बाहर गए कर्मचारियों को वापस अमरीका लौटने का फरमान जारी किया तो इनमें कार्यरत भारतीय पेशेवरों में भी खलबली मच गई।

अब ट्रंप प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बढ़ी वीजा फीस नए आवेदकों के लिए है और एक बारगी ही देय होगी। ट्रंप प्रशासन की ओर से वीजा के लिए यह भारी भरकम फीस कहने को तो स्थानीय लोगों को रोजगार देने व कुशल विदेशी पेशेवरों को ही अपने यहां काम करने का मौका देने के लिए लागू की गई है। यह भी तर्क दिया जा रहा है कि अमरीकियों को नौकरी से निकालकर कुछ कंपनियां विदेशियों को कम वेतन पर नियुक्तियां दे रहीं थी। लेकिन तथ्य यही है कि एच-1बी वीजा नियमों में बदलाव का सबसे ज्यादा असर भारतीयों पर ही पडने वाला है। भारतीय आईटी व टेक कंपनियां भी हर साल बड़ी संख्या में अपने कार्मिकों को इस वीजा के जरिए अमरीका भेजती है। पेशेवरों के लिए एच-1बी वीजा लंबे समय से एकेडमिक करियर, रिसर्च अवसरों और दुनिया के सबसे बड़े टेक्नोलॉजी बाजार में नौकरियों तक पहुंच का साधन रहा है।अमरीका के ही सरकारी आंकड़े बताते हैं कि अक्टूबर 2022 से सितंबर 2023 के बीच जारी किए गए सभी एच-1बी वीजा में से 70 प्रतिशत से ज्यादा भारतीयों को मिले हैं। ट्रंप सरकार अमरीकियों को रोजगार के अवसर की आड़ लेकर अपने यहां स्किल्ड अप्रवासियों के रास्ते धीरे-धीरे बंद कर रही है। एक तथ्य यह भी है कि अमरीका की कई नामी कंपनियां भारतीय पेशेवरों के भरोसे ही रहती आई हैं।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सरकार के दो पहियों का बिगड़ता संतुलन

हेमंत पाल

राजनीति में ऐसा कम ही देखा गया कि अफसरशाही का मिजाज मंत्रियों और नेताओं पर हावी हो जाए। सामान्यत: ऐसा होता भी नहीं है। क्योंकि, जो राजनीतिक पार्टी सरकार में होती है, उसके नेताओं की बातों को अफसर भी गंभीरता से लेते हैं। हमारी प्रशासनिक व्यवस्था भी कुछ ऐसी है, जिसमें सामंजस्य का खास ख्याल रखा जाता है। सरकार के मंत्री यदि अफसरों को कोई सुझाव देते हैं या जनहित के किसी काम के निर्देश देते हैं, तो अफसर उसे गंभीरता से लेते हैं और यही स्वाभाविक परंपरा भी है। अब तक यही होता भी आया है। पर, मध्यप्रदेश में पिछले कुछ दिनों से यह तालमेल गड़बड़ा रहा है। कई मंत्रियों और विधायकों को शिकायत है कि उनकी बातों की अनसुनी हो रही है। यदि ऐसी चंद घटनाएं होती, तो उनको अनदेखा किया जा सकता था। लेकिन, जब ऐसा लगातार होने लगा तो यह विरोध रिस कर बाहर आने लगता।

सामान्यत: मध्य प्रदेश में ऐसी राजनीतिक स्थिति नहीं होती। कभी इक्का-दुक्का घटना होती भी है, तो वह जन चर्चा का विषय नहीं बनती। किंतु, पिछले कुछ महीनों में कई मंत्रियों की अफसरों के खिलाफ भृकुटी तनी दिखाई देने लगी। अभी डॉ मोहन यादव की सरकार को दो साल ही हुए हैं। ऐसे में सत्ता और प्रशासन में बढ़ती खींचतान सरकार की गति को प्रभावित कर सकती है। जबकि, पूर्ववर्ती मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के 18 साल के कार्यकाल में ऐसा माहौल नहीं दिखाई दिया। सवाल उठता है कि अब दृश्य बदला क्यों! अफसरों के मंत्रियों के फोन न उठाने, बैठकों में न आने और काम की बातों को अनसुनी करने की शिकायत लगातार सामने आने लगी। सबसे ज्यादा अव्यवस्था हाल ही में किसानों को खाद वितरण के मामले में देखी गई। क्योंकि, इस काम में कई जगह अव्यवस्था हुई और यहां तक कि किसानों पर लाठियां भी बरसाई गई। इस मुद्दे पर अधिकांश जगह मंत्रियों और विधायकों का अफसरों से टकराव हुआ। शिकायतें मुख्यमंत्री तक पहुंचीं और विपक्ष ने भी अफसरों की मनमानी पर निशाना साधा।

खाद वितरण का सही इंतजाम न होने और किसानों की नाराजगी सामने आने के बाद भिंड कलेक्टर और वहां के विधायक के बीच सार्वजनिक रूप से कहासुनी हुई। मामला इतना बिगड़ गया कि सोशल मीडिया पर इसके वीडियो वायरल हुए। निश्चित रूप से यह स्थिति

न तो सरकार के लिए उचित है न अफसरों के लिए। दोनों के बीच मामला शांत करने के लिए सुरक्षाकर्मियों को उतरना पड़ा था। बाद में दोनों ने एक-दूसरे के खिलाफ थाने में भी शिकायत लिखवाई। उसके बाद जो हुआ, वो अलग बात है, पर इससे निश्चित रूप से सरकार की छवि भी प्रभावित हुई और अफसरों ने भी इस मुद्दे को गंभीरता से लिया। इन हालात के लिए दोनों पक्षों की तरफ से अलग-अलग तरह की प्रतिक्रिया होना स्वाभाविक है। सत्ता के पक्षधरों का कहना है कि प्रदेश में अफसरशाही बेलगाम होने लगी, वे मंत्रियों की बात नहीं सुनते और विधायकों को तो बिल्कुल भी गंभीरता से नहीं लेते। जबकि, अफसरशाही को सही मानने वालों का तर्क है कि अब नेता ज्यादा उच्छृंखल होने लगे। वे अपनी हर बात मनवाने की जिद करते हैं, फिर भी तार्किक रूप से सही हो या नहीं। अफसरों का यह भी कहना है कि मंत्रियों की हर जिद को स्वीकार करना संभव नहीं होता। देखा जाए तो दोनों अपनी जगह सही भी हैं और नहीं भी! क्योंकि, मंत्रियों को अपने समर्थकों को खुश करने के लिए कई बार उनकी ऐसी बातों को भी तवज्जो देना पड़ती है, जो प्रशासनिक रूप से सही नहीं होती। जब कोई अफसर ऐसे में मंत्री या विधायक की उन बातों पर नकारात्मक टिप्पणी करते हैं, तो वो विवाद खड़ा होता है। हाल ही में ज्यादातर ऐसी ही घटनाएं तनातनी का कारण भी बनीं। बीते दो सालों में मध्य प्रदेश की मोहन यादव सरकार को किसी बड़ी राजनीतिक चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा। लेकिन, जिस तरह प्रदेश में सरकार के दो घटकों में रस्साकशी की बात होने लगी, सरकार की कमजोरी नजर आई है। सरकार के कई मंत्री अफसरों के बेलगाम होने और काम नहीं सुनने की शिकायत सार्वजनिक रूप से कर चुके हैं। जबकि, सरकार और संगठन में विधायकों की नाराजगी और सामंजस्य के लिए इंतजाम हैं।

अधिकांश जिलों में प्रभारी मंत्री हैं और समन्वय के लिए सत्ता व संगठन के बीच व्यवस्था है। इसके बाद भी अफसरों की विधायकों और मंत्रियों से भिड़ंत अपने आपमें नई बात है। ग्वालियर से जुड़े एक मंत्री ने भी मुख्यमंत्री से अपने इलाके के अफसरों की मुख्यमंत्री से शिकायत की है। उनकी शिकायत भी फोन नहीं उठाने, बैठकों की जानकारी नहीं देने जैसी बातें हैं। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि शायद मुख्यमंत्री की सदाशयता को अफसरों ने अलग नजरिए से लिया है।

दूसरों को कामयाब समृद्ध बनाने का सुख

हर सरकार दो पहियों पर चलती है। एक पहिया होता है जनप्रतिनिधियों का, जिन्हें जनता चुनकर भेजती है और दूसरा पहिया है अफसरों का जो सरकार के निर्देशों के अनुरूप कार्य करते हैं। जब भी ये सामंजस्य बिगड़ता है, सरकार की गति धीमी पड़ती है। मध्यप्रदेश में इन दिनों कुछ इसी तरह का माहौल बन रहा है।

रेणु सैनी

जीवन में कोई भी कार्य असंभव नहीं होता। हर कार्य को एक शैली में ढल कर, ढाल कर संभव बनाया जा सकता है । शैली को किस तरह विकसित किया जाए? यह व्यक्तिगत रूप से व्यक्ति पर निर्भर करता है। प्रत्येक व्यक्ति को जीवन में 24 घंटे मिलते हैं, इन्हीं 24 घंटों का बुद्धिमता से प्रयोग कर कुछ लोग कीर्तिमान बना देते हैं, वहीं कुछ लोग मिट जाते हैं और उनके अस्तित्व का अवशेष तक शेष नहीं रहता। प्रत्येक व्यक्ति खास बनना चाहता है। वह चाहता है कि सदियों बाद भी लोग उसे पहचानें, जानें और उसकी कार्यशैली के उदाहरण दिए जाएं। हमारे इर्द-गिर्द अनेक ऐसी प्रणालियां हैं जिन्हें अपनाकर व्यक्ति अपने जीवन को अति उत्तम बना सकता है। ऐसी ही एक प्रणाली है- शुहारी। इस शब्द की मूल जड़ें मार्शल आर्ट, नोह थियेटर, टी सेरेमनी और कला से जुड़ी हुई हैं। यह प्रणाली जापानी है। शुहारी केवल एक शब्द भर नहीं है, अपितु इसमें पूरा जीवन दर्शन छिपा हुआ है।

जिस व्यक्ति ने अपने जीवन को इस शब्द के अनुरूप बना लिया, वह कामयाब हो जाता है। शुहारी को शु-हा-री तीन खंडों में विभक्त किया हुआ है। इनमें पहला खंड 'शु' अत्यंत प्रारंभिक है। ठीक उसी तरह जिस तरह गुरु अपने शिष्यों को शिक्षा प्रदान करता है। विद्यार्थियों को पाठशाला में मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है। केवल कुछ ही शिष्य और विद्यार्थी ऐसे होते हैं जो पहले खंड को भली-भांति समझकर दूसरे खंड में प्रवेश करते हैं। वहीं कई विद्यार्थी और शिष्य दूसरे खंड में पहुंच जाते हैं लेकिन आधे-अधूरे रूप में। दूसरे खंड 'हा' में विद्यार्थी, व्यक्ति या शिष्य निपुण हो जाता है। वह स्वयं को इतना काबिल बना लेता है कि अब वह आत्मनिर्भर होकर कुछ कार्यों, विधियों या इनोवेशन को अपने दम पर निर्मित करने का निर्णय ले लेता है। इसके बाद अंतिम प्रक्रिया यानीकि 'री' आती है। इसके अंतर्गत व्यक्ति अपने ज्ञान, कला और कार्यों को इतना अधिक विकसित और उन्नत कर चुका होता है कि दुनिया उसके कार्यों को पहचानने लगती है, सराहने लगती है।

वास्तव में 'री' की इस तीसरी प्रक्रिया के अंतर्गत ही व्यक्ति कामयाबी और समृद्धि का स्वाद चखता है। यही स्वाद इन दिनों भारतीय संस्था एजुकेट गर्ल्स ने चखा है। इस संस्था को वर्ष 2025 के रेमन मैग्सेसे पुरस्कार के लिए चुना गया है। रेमन मैग्सेसे एशिया का प्रतिष्ठित पुरस्कार है। यह पुरस्कार फिलीपींस के पूर्व राष्ट्रपति रेमन मैग्सेसे के सम्मान में प्रदान किया जाता है। 'भारतीय संस्था एजुकेट गर्ल्स' दूरदराज के गांवों में बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ाने के लिए कार्य करती है। यह संस्था लड़कियों के परिवारों में फैली रूढ़िवादिता को दूर करने में निर्णायक भूमिका निभा रही है।

इस संस्था ने अनेक लड़कियों को निरक्षरता के शाप से मुक्त किया है। यह संस्था अपनी स्थापना से लेकर अभी तक 20 लाख लड़कियों को शिक्षा के प्रकाश से आलेकित कर चुकी है। इस संस्था का उद्देश्य आने वाले समय में एक करोड़ की संख्या को पार कर शिक्षा की जोत को विश्व के कोने-कोने तक प्रसारित करना है। इस संस्था की स्थापना वर्ष 2007 में लंदन स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स से स्नातक सफीना हुसैन ने की थी। वे उस समय सैन फ्रांसिस्को में कार्यरत थीं। उन्होंने भारत में लड़कियों की निरक्षरता की चुनौती को देखते हुए भारत लौटने का निर्णय लिया। यह निर्णय लेने का उनका उद्देश्य यही था कि लड़कियों को शिक्षा की ओर प्रेरित किया जाए और उन्हें स्कूलों तक पहुंचाया जाए। जब लड़कियां स्कूलों तक पहुंचकर शब्दज्ञान सीखेंगी, पढ़ेंगी तो उनकी अपनी सोच और क्षमता का विकास होगा। बस इसी सोच ने 'शु' का निर्माण किया। जब सफीना को कदम बढ़ाने पर नई जानकारी मिली तो फिर 'हा' में उन्होंने कदम रखा। आखिर एक ही कार्य में लगन और मेहनत से लगे रहने के कारण वे लड़कियों को स्कूल तक लाने में कामयाब होती रहीं।

आखिरकार उनके नाम-काम को पहचान मिली और वे आकाश का एक ऐसा तारा बनकर उभरीं जो अमावस्या में भी अपनी रोशनी से भटके हुओं को मार्ग दिखाता है। 'री' अंतिम चरण में पहुंचकर उनके कार्यों का डंका विश्व में बजने लगा। आज इस संस्था की अनेक लड़कियां उच्च शिक्षा प्राप्त कर उच्च पदों पर पहुंच गई हैं। इस संस्था की सीईओ गायत्री नायर लोबो का कहना है कि, 'शिक्षा हर लड़की का मौलिक और अंतर्निहित अधिकार है। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार उस परिवर्तनकारी बदलाव को मान्यता देता है जो सामाजिक और व्यवस्थागत बाधाओं को दूर करता तभा सुलभ शिक्षा को बढ़ावा देता है।' 'शुहारी' प्रणाली के माध्यम से प्रत्येक व्यक्ति मेहनत, लगन और हिम्मत से इतिहास पलटने की सामर्थ्य रखता है। 'शुहारी' प्रणाली की वास्तविक कामयाबी स्वयं कामयाब होने में नहीं है, बल्कि अपनी कामयाबी के साथ-साथ दूसरों को कामयाब कर उनके चेहरों पर मुस्कराहट लाने में है। ठीक उसी तरह, जिस तरह 'भारतीय संस्था एजुकेट गर्ल्स' ने अनेक लड़कियों के सपनों को पंख दिए हैं और उन्हें आसमान में खुली उड़ान भरने के लिए तैयार किया है।

नॉलेज बेस्ड गेम्स खेलें

आजकल इंटरनेट पर कई नॉलेज बेस्ड गेम्स भी मौजूद हैं। आप मोबाइल या टैब पर बच्चों को उस तरह के गेम्स खेलने को कहें या फिर आप भी उनका इसमें साथ दें। मगर कुछ गेम्स खेलने से बच्चों की मेंटल ग्रोथ में भी तेजी आने लगती है। जिसके चलते खेल-खेल में बच्चों की पढ़ाई के प्रति दिलचस्पी भी आसानी से बढ़ाई जा सकती है। बच्चों के लिए कुछ बेस्ट गेम्स हैं जिनकी मदद से आप बच्चों को स्टडीज में भी परफेक्ट बना सकते हैं।

क्विज शो देखना और उनमें भाग लेना

आजकल कल के बच्चों को पेरेंट्स आसानी से मोबाइल हाथ में दे देते हैं, लेकिन आप इस वक्त का उपयोग और अच्छे तरीके से कर सकते हैं। बच्चों के साथ टीवी और इंटरनेट पर क्विज शो देखें। इससे उनकी नॉलजे बढ़ेगी। साथ ही, आप बच्चों को नॉलेज बेस्ड चैनल्स देखने के लिए कहें, जिससे उनकी पसंद इस ओर अपने आप बढ़ने लगे। इन दिनों किसी भी परीक्षा में प्रतियोगिता का स्तर काफी बढ़ गया है। बात चाहे कॉलेज में एडमिशन लेने की हो या सरकारी नौकरी, इनके लिए होने वाली परीक्षा में लाखों उम्मीदवार शामिल होते हैं। ऐसे में उन्हें अलग-अलग स्तरों पर परखने के लिए एग्जाम पैटर्न में भी कई तरह के बदलाव किए जाते हैं।

कम उम्र में ही ऐसे बढ़ाएं बच्चों का नॉलेज

हेल्दी डिस्कशन

बच्चों को घर में किसी भी हेल्दी डिस्कशन का हिस्सा बनाएं और उनके विचार जानने की कोशिश करें। जब पूरी फैमिली एक साथ बैठी हो तो, किसी भी चर्चा में बच्चों का नजरिया जानना और उनकी बात सुनने से बच्चे में पॉजिटिविटी आएगी और उसका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा।

एक माता-पिता के तौर पर अपने बच्चे को सही परवरिश देना काफी मुश्किल भरा कार्य होता है। तकनीक के इस दौर में बच्चों को गलत चीजों से बचाकर सही चीजों की तरफ ले जाना भी कठिन होता है। ऐसे मे जरूरी है कि आप बचपन से ही उनके दिमाग में सही नॉलेज भरे ताकि भविष्य में वह आसानी से सही और गलत की पहचान कर सकें। वैसे देखा जाए तो बचपन से ही बच्चे कुछ न कुछ नया सीखते रहते हैं। हर उम्र के पढ़ाव के साथ उनके जीवन में नए दौर आते हैं और नई चीजों को सीखने की होड़ उनमें बढ़ती जाती है। स्कूल में एक्टिव रहने से बच्चों को आगे बढ़ने का मौका काफी जल्दी मिलता है। आज कल के कॉम्पटीशन के दौर उनपर हर तरह से प्रेशर रहता है। ऐसे में माता-पिता के लिए भी बच्चों की जनरल नॉलेज को बढ़ाने का एक चुनौतीपूर्ण काम रहता है। बच्चे में जानकारी की कमी उसे कई तरह से पीछे कर देती है। ऐसे में बेहद जरूरी है कि माता-पिता बच्चे की नॉलेज स्किल्स पर बचपन से ही ध्यान दें।

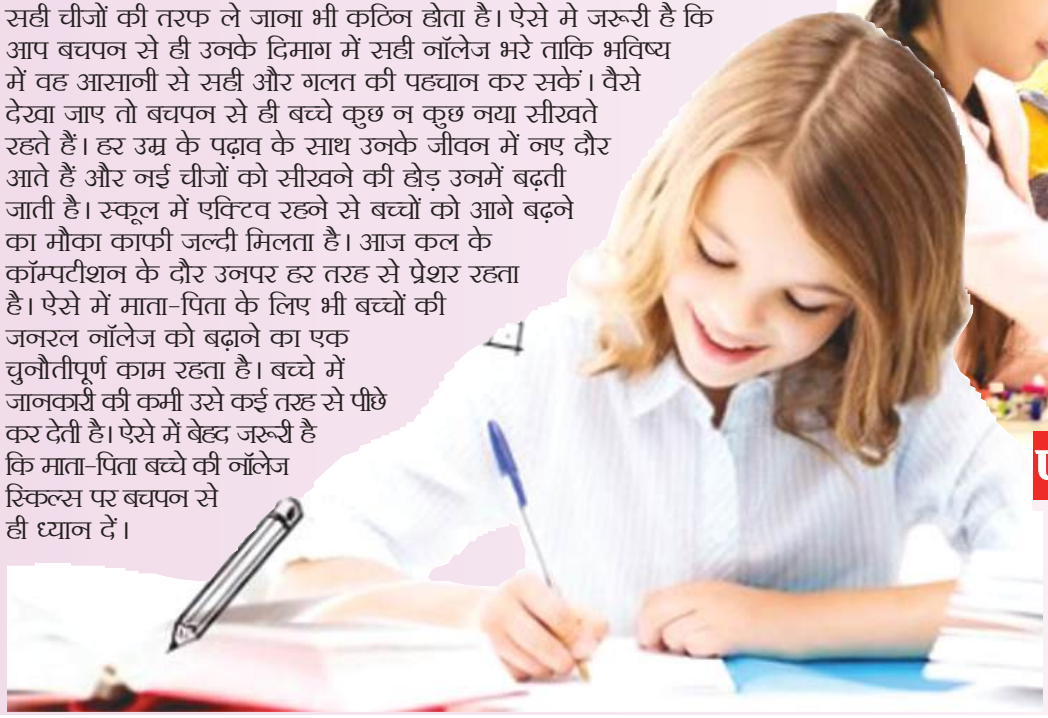

पढ़ने की आदत

बच्चों को बचपन से ही मैग्जीन, अखबार, जनरल नॉलेज की बुक्स और नई बुक्स पढ़ने की आदत डालना बहुत जरूरी है। अन्य नवीन सामग्री पढ़ना बच्चों के बीच सामान्य ज्ञान बढ़ाने का एक और बेहतरीन तरीका है। हम मान सकते हैं कि आजकल के मोबाइल के दौर में बच्चों को न्यूजपेपर पढ़ाने की आदत डालना आसान तो नहीं है, लेकिन नामुमकिन भी नहीं। पढ़ने को मजेदार और मनोरंजक बनाने की प्रमुख सामग्रियों में से एक है बच्चों को किताबों की विभिन्न शैलियों और प्रारूपों तक पहुंच प्रदान करना ताकि वे खोज सकें और उनमें से चुन सकें। बच्चों को विभिन्न प्रारूपों और शैलियों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित करें। इससे न केवल एकरसता दूर होगी बल्कि बच्चे को उस शैली/प्रारूप को सीखने में भी मदद मिलेगी।

हंसना मना है

मरीज- डॉक्टर साहब मुझे क्या बीमारी है? डॉक्टर- लड़कियों का पीछा करना छोड़ दो, मरीज- उससे क्या होगा? डॉक्टर- अगर लड़कियों का पीछा करना नहीं छोड़ोगे, तो जल्दी ही मर जाओगे, मरीज- लड़कियों का पीछा करने से कोई कैसे मर सकता है? डॉक्टर- क्योंकि उनमें से एक लड़की मेरी भी है।

टीचर- एक टोकरी में 10 आम थे 3 सड़ गए तो कितने बचे? स्टूडेंट- 10 टीचर- अरे मूर्ख 10 कैसे बचेंगे? स्टूडेंट- सड़े हुए आम कहां जाएंगे, सड़ने से केले थोड़ी बन जाएंगे।

भिखारी- कुछ खाना दे दो, आंटी- अभी खाना बना नहीं है। भिखारी- ठीक है जब बन जाए तो मुझे फोन कर देना ये लो मेरा नंबर!

संता- झगड़ते वक्त बीवी का मन कैसे भटकाना चाहिए, पता है? बंता- नहीं, तुम ही बताओ। संता- सिर्फ इतना बोलो- सुंदर हो तो कुछ भी बोलोगी क्या? ये 100 फीसदी काम करता है...!

गर्लफ्रेंड- सुनो, मेरी स्किन बहुत ऑयली-ऑयली सी हो गई है, बताइए ना, मैं क्या लगाऊं? बॉयफ्रेंड- ये लो विमबार, ये पूरी चिकनाई हटा देगा। फिर बॉयफ्रेंड की हुई जोरदार कुटाई!

कहानी — लहरें गिनना

एक बार बादशाह अकबर से नौकरी मांगने की फरियाद लेकर एक व्यक्ति पहुंचा। उसकी बातें सुनने के बाद बादशाह ने उसे चुंगी यानी टैक्स वसूलने वाला अधिकारी बना दिया। बीरबल भी उस दरबार में मौजूद थे। उन्होंने उसे कुछ देर ध्यान से देखने के बाद कहा कि बादशाह यह व्यक्ति ज्यादा ही चालाक लग रहा है। यह जल्द ही कुछ-न-कुछ बेईमानी जरूर करेगा। एक दिन उस अधिकारी की शिकायत आई। शिकायत मामूली थीं, इसलिए उनपर ज्यादा किसी ने ध्यान नहीं दिया। उसके बाद रिश्वत लेने और जनता को परेशान करने के आरोप भी उस अधिकारी पर लगने लगे। इतनी शिकायतें आने पर बादशाह ने सोचा कि इसका तबादला ऐसी जगह कर देता हूं, जहां इसे बेईमानी करने का मौका ही न मिल पाए। तब उसे अस्तबल का मुंशी बनाया जाएगा। वहां मुंशी के पद पर पहुंचते ही उस व्यक्ति ने फिर रिश्वत लेना शुरू कर दिया। उसने सीधे घोड़े की देखभाल करने वालों से कह दिया कि तुम लोग घोड़ों को कम दाना-पानी खिलाते हो। इसका पता बादशाह को चला है, इसलिए मुझे लीद को तोलने के लिए भेजा है। अब अगर लीद का वजन कम हुआ, तो सबकी शिकायत बादशाह से कर दूंगा। इस तरह से उस मुंशी से परेशान होकर हर घोड़े के हिसाब से उसे एक रुपये लोगों ने देना शुरू कर दिया। यह बात जब अकबर तक पहुंची। उन्होंने मुंशी को सीधे यमुना की लहरें गिनने का कार्य सौंप दिया। कुछ ही दिनों में जैसे ही वो व्यक्ति यमुना किनारे पहुंचा, तो वहां भी उसने अपना दिमाग दौड़ा लिया। वो नाव से सवारी करने वालों को रोक-रोककर कहता कि मैं लहरें गिन रहा हूं। ऐसे में तुम लोग यहां से नहीं निकल सकते हो। इसी जगह पर दो-तीन दिन तक रुकना होगा। रोज-रोज ऐसी बातें सुनकर नाव चलाने वालों ने अपने कार्य को जारी रखने के लिए उसे दस-दस रुपये की रिश्वत देना शुरू कर दिया। अब यमुना किनारे भी वो व्यक्ति खूब बेईमानी कर रहा था। एक-दो महीने में यह बात भी बादशाह तक पहुंच गई। तभी अकबर ने एक लिखा हुआ आदेश भिजवाया, नाव को रोको मत, जाने दो। वो व्यक्ति चतुर था उसने बादशाह के आदेश वाले पत्र को नावों को रोको, मत जाने दो कर दिया था। इस थोड़ी हेरफेर के बाद उसने अकबर का आदेश वहां टंगवा दिया। आखिर में उससे परेशान होकर बादशाह ने उसे नौकरी से ही निकाल दिया। तभी बादशाह को बीरबल की बात याद आ गई कि ये आदमी बेईमानी जरूर करेगा। तब उनके मन में हुआ कि मुझे उसे पहली गलती में ही कठोर दंड देना चाहिए था।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कुसंगति व जल्दबाजी से बचें। विवेक से कार्य करें, लाभ होगा। कार्यक्षेत्र का विस्तार होगा।

वृषभ

कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूलता रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। आर्थिक साधनों में बढ़ोतरी होगी।

मिथुन

संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। बेरोजगारी दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें। प्रवास में सावधानी रखें।

कर्क

स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद न करें। व्यापार में स्वयं के निर्णय से काम कर पाएंगे।

सिंह

मेहनत अधिक होगी। बुरी खबर मिल सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। पुराना रोग उभर सकता है। व्यापार, नौकरी में स्थिति मध्यम रहेगी।

कन्या

मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। व्यापार-व्यवसाय में गति आएगी।

तुला

पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे। अच्छे समाचार मिलेंगे। विवाद से बचें। मान बढ़ेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। परिवार में शांति का अनुभव होगा। रुका पैसा प्राप्त होगा।

वृश्चिक

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। धनार्जन होगा। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। प्रसिद्ध व्यक्ति से मेलजोल बढ़ेगा।

धनु

अप्रत्याशित खर्च होंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। वस्तुएं संभालकर रखें। आर्थिक स्थिति से ऋण की समस्या उभरेगी।

मकर

यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। बकाया वसूली होगी। आय में वृद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। भौतिक सुख-साधनों की प्राप्ति होगी।

कुम्भ

कार्यस्थल पर सुधार होगा। नए अनुबंध हो सकते हैं। योजना फलीभूत होगी। धनार्जन होगा। आर्थिक क्षेत्र में उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। अध्ययन में रुचि बढ़ेगी।

मीन

पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। राजकीय सहयोग मिलेगा। धनार्जन होगा। प्रमाद न करें। अपनी भावनाओं को संयमित रखकर कार्य करें।

बॉलीवुड | मन की बात

फिल्म इंडस्ट्री के लोगों ने मेरे साथ की नाइंसाफी : मुजम्मिल

हाल ही में स्पेशल ऑप्स एक्टर मुजम्मिल इब्राहिम ने इनसाइडर-आउटसाइडर डिबेट पर अपनी राय रखी। मुजम्मिल को फिल्म इंडस्ट्री में एक दशक हो गया है, लेकिन कुछ खास प्रोजेक्ट्स इन्हें ऑफर नहीं होते दिख रहे। एक्टर ने अपने हिस्सा का स्ट्रगल किया। आज भी कई उतार-चढ़ाव से गुजर रहे हैं। मुजम्मिल ने कहा- बॉलीवुड के ई फिल्ममेकर्स उन बाहरी एक्टर्स के पोटेंशियल पर सवाल खड़े करते हैं जो भविष्य में एक अच्छे एक्टर बन सकते हैं। मुजम्मिल ने कहा-` अच्छे हैं अपने काम में तो ये आपको नीचे गिराएंगे। आपके लिए एक छवि बनाने की कोशिश करेंगे। हर लड़के ने ये फेस किया है, जो भी अपने काम में अच्छा रहा है। मैंने कार्तिक आर्यन, सुशांत सिंह राजपूत तक को देखा है। ये दोनों ने भी फेस किया है। जिन लड़कों में पोटेंशियल होता है, वही ये सब फेस करते हैं। कश्मीरी मॉडल से एक्टर बने मुजम्मिल ने एक कॉन्टेस्ट जीता था। इसके बाद ये कई हिट म्यूजिक वीडियोज में नजर आए। एक इंटरव्यू में मुजम्मिल ने बताया था कि उनका पहली फिल्म का एक्स्पीरियंस काफी ट्रॉमैटिक रहा। मुजम्मिल ने 21 साल की उम्र में डेब्यू किया था। सेट पर काफी खराब माहौल था। पूजा भट्ट की फिल्म धोखा के बारे में बात करते हुए मुजम्मिल ने कहा- मैंने कभी टॉक्सिक वातावरण को फेस नहीं किया था। मुझे खराब शब्द सुनने की आदत ही नहीं थी। मेरे लिए वो एक्सपीरियंस काफी ट्रॉमैटिक था। आज भी कई बार एक्टर इस ट्रॉमा को कहीं न कहीं फेस कर रहे हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो मुजम्मिल, राखी सावंत संग म्यूजिक वीडियो परदेसिया में नजर आए थे। कई लोगों ने इन्हें पोस्टर बॉय के नाम से संबोधित किया है।

अब हिंदी में रिलीज होगी अनुराग कश्यप की तमिल फिल्म 'बैड गर्ल'

तमिल फिल्म 'बैड गर्ल' को कई इंटरनेशनल फिल्म्स में सराहा गया है। साथ ही अपनी कहानी के कारण यह शुरुआत से विवादों में घिरी रही। अब हिंदी दर्शक भी इस फिल्म को जल्द देख पाएंगे। मेकर्स ने फिल्म की हिंदी रिलीज डेट शेयर की है।

अनुराग कश्यप और वेत्री मारन प्रोड्यूस तमिल फिल्म बैड गर्ल हिंदी में 26 सितंबर 2025 को रिलीज होगी। तमाम आलोचानाओं के बाद भी फिल्म बैड गर्ल सेंसर बोर्ड से पास हो चुकी है, इसे यू/ए सर्टिफिकेट मिला है। फिल्म को वर्षा भरत ने निर्देशन किया है।

जब तमिल फिल्म 'बैड गर्ल' का टीजर कुछ महीने पहले रिलीज हुआ तो इसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से हटाने को कहा गया। यह आदेश मद्रास हाईकोर्ट ने दिया। दरअसल, फिल्म के टीजर में बच्चों, टीनएजर्स से जुड़े कुछ ऐसे आपत्तिजनक चित्रण थे, जिन पर मद्रास

हाईकोर्ट ने आपत्ति जताई। ऐसे में कोर्ट ने मिनिस्ट्री ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी को फिल्म बैड गर्ल का टीजर यूट्यूब से हटाने का आदेश दिया था। इस फिल्म की निर्देशक वर्षा भारत तब फिल्म को सपोर्ट किया था।

निर्देशक वर्षा भारत की फिल्म 'बैड गर्ल' को काफी क्रिटिसाइज किया गया है। इसमें एक स्कूली लड़की के रिलेशनशिप को एक्सप्लोर करने की कहानी दिखाई गई। फिल्म को 2025 के रॉटरडैम इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में अवॉर्ड भी मिला है।

धनुष ने फैंस से की गुजारिश इडली कढ़ाई की फर्जी समीक्षाओं पर विश्वास न करें

धनुष अपनी अपकमिंग फिल्म इडली कढ़ाई को लेकर सुर्खियों में हैं। इसका ट्रेलर रिलीज हो चुका है। धनुष ने कोयंबटूर में आयोजित फिल्म के ट्रेलर लॉन्च पर फर्जी समीक्षाओं के बारे में बात की। उन्होंने अपने फैंस को सोशल मीडिया समीक्षाओं पर विश्वास न करने की सलाह दी। उन्होंने इस बात की आलोचना की कि कुछ लोग फिल्म के पहले शो के प्रदर्शन से पहले ही समीक्षाएं डाल देते हैं। उन्होंने फैंस से यह भी गुजारिश की कि वे उनकी फिल्म के बारे में ऐसी समीक्षाओं पर विश्वास न करें।

धनुष ने कहा फिल्म रिलीज वाले दिन कुछ समीक्षाएं सुबह 8 बजे आएंगी, जबकि फिल्म खुद सुबह 9 बजे रिलीज होगी। कृपया ऐसी समीक्षाओं पर विश्वास न करें। अगर कोई फिल्म सुबह 9 बजे रिलीज होती है, तो दोपहर 12:30 बजे ही पता चल पाएगा कि फिल्म कैसी है। इसलिए कृपया फिल्म देखें और खुद फैसला करें, या किसी ऐसे दोस्त से पूछें जिसने इसे देखा हो। खुद तय करें कि आप यह फिल्म देखना चाहते हैं या नहीं।

धनुष ने कार्यक्रम में यह भी कहा तमिल सिनेमा में नकारात्मकता के बजाय एक अच्छे माहौल की जरूरत है। उन्होंने कहा कि बहुत से लोगों का रोजगार इसी पर निर्भर है। सबकी फिल्में अच्छा प्रदर्शन करें, सभी निर्माताओं का प्रदर्शन अच्छा हो। सिर्फ इसी इंडस्ट्री में ही नहीं, इससे बाहर भी बहुत से लोग हैं, जो इस पर निर्भर हैं। बहुत सारे व्यवसाय हैं जो इस पर निर्भर हैं। सभी फिल्मों का चलना जरूरी है। यह आपके हाथ में है। इसलिए कृपया सही समीक्षाएं देखें और तय करें कि फिल्म कैसी है। यही मेरी गुजारिश है। फिल्म इडली कढ़ाई में धनुष मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में उनके साथ अरुण विजय, शालिनी पांडे और नित्या मेनन ने अभिनय किया है। धनुष ने इसका निर्देशन भी किया है और वंडरबार फिल्म्स और डॉन पिक्चर्स के साथ मिलकर इसका सह-निर्माण भी किया है। यह फिल्म 1 अक्टूबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अजब-गजब | यहां के लोग अपने आप को मानते हैं भगवान श्रीकृष्ण के वंशज

बिहार के इस गांव में कोई नहीं खाता प्याज-लहसुन

जहानाबाद। बिहार में ऐसे कई गांव है, जो अपनी अनोखी परंपरा को लेकर प्रसिद्ध है। उन्हीं गांवों में से एक है, त्रिलोकी बिगहा गांव। जहानाबाद जिला मुख्यालय से तकरीबन 20 किमी दूर बसे इस गांव के लोग प्याज-लहसुन नहीं खाते हैं। यहां के हर व्यक्ति (युवा, बच्चा, बुजुर्ग) इस नियम का पालन करते हैं। बुजुर्गों का कहना है कि यहां के लोग सदियों से मांस-मछली और शराब को हाथ नहीं लगाते हैं। यदि ऐसा होता है तो उसके साथ में कुछ अनहोनी हों जाती है। यही वजह है कि आज तक यहां बसे लोग न ही प्याज-लहसुन, न मांस मछली और न ही शराब को हाथ लगाते हैं।

जहानाबाद के घोसी प्रखंड स्थित त्रिलोकी बिगहा गांव भूतही नदी के किनारे बसा हुआ है। यहां की बहुतायत आबादी यादव समाज की है। उनलोगों का कहना है कि हमलोग भगवान श्री कृष्ण के वंशज हैं और दूध, दही और मक्खन का प्रयोग करते हैं। करीब 100 घर की बस्ती में आपको हर घर में गाय-भैंस मिल ही जाएंगे।

इस गांव की खासियत यह भी है कि यहां से पहलवान भी निकले हैं, जो अपनी पहचान नेशनल लेवल पर दिला चुके हैं। इस गांव को पहलवानों का गांव कहा जाना अतिश्योक्ति नहीं होगा। क्योंकि अब तक सिर्फ पहलवानी से ही 10 लोगों की सरकारी नौकरी हुई है। युवा

पीढ़ी आज तक सुबह उठते ही अखाड़ा में पहुंच जाते हैं और खूब पसीना बहाते हैं। बदलते समय के साथ थोड़ी बदलाव भी आई। कुछ लोग यहां से जो बाहर चले गए हैं, वो प्याज लहसुन का सेवन करने लगे हैं, लेकिन मांस-मछली अब भी नई पीढ़ियों से दूर ही है। शराब तो हाथ तक नहीं लगाते हैं। 7 साल से पहलवानी कर रहे गांव के ही पहलवान लालू कुमार ने कहा, हमारा गांव भगवान कृष्ण का वंशज है। यहां ब्रह्मचर्य का पालन करना हमारा धर्म है। हम अपनी परंपरा को कैसे भूला सकते हैं। यही सब वजह है कि यहां सालों से प्याज लहसुन और मांस मछली का सेवन लोग नहीं करते हैं। यह माना जाता है कि जो व्यक्ति छलावा करता है उसके साथ अनहोनी का डर रहता है। कुछ लोगों के साथ ऐसी घटना हो भी चुकी है। इतना ही नहीं, जो बहु ब्याह कर यहां प्रवेश करती है वो भी सात्विक हो जाती है। वहीं, जो बेटी यहां से ससुराल जाती है वो सात्विक ही रहती है।

यह है दुनिया का दूसरा सबसे लंबा व्यक्ति

इसके जन्म के समय ही बना था विश्व रिकॉर्ड

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में उस वक्त लोगों की भीड़ लग गई जब दिल्ली-देहरादून हाईवे पर एक 8.2 फीट लंबा युवक अपने पिता के साथ पहुंचा। युवक की असाधारण लंबाई देखकर हर कोई हैरान रह गया और फोटो खिंचवाने की होड़ लग गई। यह युवक है करण सिंह, उम्र 18 वर्ष, जो सहारनपुर का निवासी है और वह ऐसा दावा करते हैं कि वो दुनिया का दूसरा सबसे लंबा व्यक्ति है। अपनी इसी लंबाई के चलते करण सिंह अक्सर चर्चाओं में बना रहता है। करण सिंह का कहना है कि तुर्की निवासी सुल्तान कोसेन दुनिया में उनसे महज एक इंच लंबे हैं, लेकिन वे दावा करते हैं कि जल्द ही उनका रिकॉर्ड तोड़ देंगे। बता दें, हाल ही में कारण सिंह अपने पिता संजय सिंह के साथ दिल्ली-देहरादून नेशनल हाईवे 58 पर पहुंचे। इस दौरान पत्रकारों ने भी करण सिंह से बातचीत की। करण के पिता संजय सिंह ने बताया कि जब उनका बेटा पैदा हुआ था, तो उसका वजन 8.87 किलोग्राम और लंबाई 3 फीट थी, जो अपने आप में एक वर्ल्ड रिकॉर्ड था। करण का कहना है कि उनके नाम अभी तक तीन गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड हैं। करण सिंह इस समय कक्षा 12वीं के छात्र है और पीसीबी स्ट्रीम से पढ़ाई कर रहा है। वे बताते हैं कि उन्हें स्पोर्ट्स, एक्टिंग और मीडिया में भी काफी दिलचस्पी है। करण अंडर-15 बास्केटबॉल चैंपियन रह चुके हैं और भविष्य में अपना करियर वहीं बनाना चाहते हैं जहां उन्हें बेहतर स्कोप दिखेगा। करण का लंबा होना कोई संयोग नहीं है। उनके परिवार में भी सभी की लंबाई सामान्य से अधिक है। करण के पिता संजय सिंह पेशे से एक किसान है और उनकी हाइट 6.5 फीट और मां श्वेतलाना की हाइट 7 फीट है। करण बताते हैं कि उनकी मां मुजफ्फरनगर के ककरौली गांव की रहने वाली है और कभी नेशनल बास्केटबॉल खिलाड़ी और कोच थीं। वर्तमान में वे घर पर ही हैं। करण के माता-पिता की शादी 2007 में हुई थी, और करण उनके इकलौते बेटे हैं। करण सिंह ने बताया, 'मेरी हाइट इस समय 8 फीट 2 इंच है और अभी मेरी उम्र सिर्फ 18 साल है। मेरी हाइट अभी और बढ़ रही है। मैं चाहता हूं कि मैं दुनिया का सबसे लंबा व्यक्ति बनूं और तुर्की के सुल्तान कोसेन का रिकॉर्ड तोडूं।' करण ने हाल ही में डब्ल्यू रेसलर द ग्रेट खली से भी मुलाकात की थी, जिससे उनकी चर्चाएं और भी तेज़ हो गई। करण सिंह की लंबाई के कारण जहां भी वह जाता है, लोग सेल्फी लेने के लिए उत्साहित हो जाते हैं।

जीएसटी राहत पर सियासी घमासान

मप्र से बंगाल तक बवाल: टीएमसी, कांग्रेस व आप ने भाजपा को घेरा

» जीएसटी से मुक्त करने का श्रेय केंद्र को नहीं देंगे : ममता बनर्जी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जीएसटी राहत के नाम पर सियासी घमासान मचा हुआ है। पश्चिम बंगाल, यूपी से लेकर मध्यप्रदेश तक बवाल जारी है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने जीएसटी दरों में मिली राहत को राज्यों के खजाने पर बोझ बताते हुए केंद्र सरकार पर एक पैसा भी खर्च न करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इससे राज्यों को 20,000 करोड़ का राजस्व नुकसान होगा और यह सब राज्य सरकारों के जीएसटी हिस्से से काटा जाएगा, जबकि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने जनविरोधी दरों को बदलने का श्रेय लिया।

आज से संशोधित वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों के लागू होने के बाद, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एनडीए सरकार की आलोचना की और कहा कि सारी राहत राज्य सरकारों के खजाने से आएगी, और केंद्र ने एक पैसा भी खर्च नहीं किया। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 25 पल्ली क्लब दुर्गा पूजा पंडाल के उद्घाटन समारोह को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि केंद्र सरकार को कोई श्रेय नहीं दिया जा सकता। मैंने सबसे पहले पत्र लिखकर बीमा को जीएसटी से मुक्त करने की मांग की थी। कई जीवन रक्षक दवाओं और छोटी वस्तुओं पर जीएसटी था। केंद्र सरकार ने इस राहत पर एक पैसा भी खर्च नहीं किया है; यह सब राज्य सरकारों के खजाने से आया है। वे श्रेय लेते हैं, लेकिन हमने इसकी कीमत चुकाई है।

भाजपा ने हमारा विचार मान गब्बर सिंह टैक्स को सुधारा: अधीर

जीएसटी सुधार को लेकर कांग्रेस कई सवाल खड़े सरकार से कर रही है। इसी कड़ी में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि यह जीएसटी की भावना कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस सरकार की थी। हमारा उद्देश्य पूरे देश में वस्तु लागू करना था और इसे कई स्लैब में नहीं, बल्कि 1-2 स्लैब में लागू करना था ताकि आम नागरिकों को रोज़गार पाने में ज्यादा दिक्कत न हो। हमारी भावना को उधार लेते हुए, भाजपा ने बहुत ढिंढोरा पीटकर जीएसटी लागू किया। अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि जिस जीएसटी का उद्देश्य करों को सरल बनाना था, उसे इस एनडीए सरकार ने गब्बर सिंह टैक्स में बदल दिया। स्लैब कम करने की जो मांग सदन के अंदर और बाहर बार-बार की गई थी, वह अब पूरी हो गई है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का विरोध किया।

आयकर रिफंड की तरह मिले जीएसटी रिफंड : पटवारी

मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने केंद्र सरकार से जीएसटी रिफंड की मांग की है। उनका कहना है कि जिन उपभोक्ताओं ने 28 प्रतिशत की दर से जीएसटी का भुगतान किया है, उन्हें अतिरिक्त राशि वापस मिलनी चाहिए। पटवारी ने कहा कि सरकार को आयकर रिफंड की तरह जीएसटी रिफंड की नीति लागू करनी चाहिए। पटवारी ने कहा कि जीएसटी की वजह से गरीबों पर आर्थिक बोझ बढ़ा है, और सरकार को इसके लिए माफी मांगनी चाहिए। जीतू पटवारी ने कहा कि मोदी सरकार ने जीएसटी को गब्बर सिंह टैक्स बनाकर आम जनता की जेब पर डाका डाला है। पिछले वर्षों में जीएसटी के माध्यम से सरकार ने लगभग 55 लाख करोड़ रुपए एकत्र किए, जिसका बोझ गरीब और मध्यम वर्ग पर पड़ा, जबकि बड़े उद्योगपतियों जैसे अडानी और अंबानी को इसका लाभ मिला। जीतू पटवारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग की कि वह जीएसटी के माध्यम से पिछले कई वर्षों से गरीबों पर डाले गए आर्थिक बोझ के लिए देश से माफी मांगें। उन्होंने कहा कि मोदी जी को अब राहुल गांधी जी के विजन की सच्चाई समझ आ गई है, लेकिन उनकी नीतियों ने एक बड़े वर्ग को गरीबी में धकेल दिया है। इसके लिए उन्हें देश से माफी मांगनी चाहिए।

देश से माफी मांगें प्रधानमंत्री

जीएसटी जनता से लूट : संजय सिंह

आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने 2017 में लागू किए गए वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की आलोचना करते हुए कहा कि इसे ऐसे पेश किया गया जैसे देश को दूसरी आजादी मिल रही हो। मध्यरात्रि में उत्सव मनाया गया, लता मंगेशकर के गीत बजाए गए और जनता से कहा गया कि जीएसटी के आने से खुशियां मनाएं। लेकिन, संजय सिंह ने कहा कि इस जश्न के पीछे करोड़ों मध्यमवर्गीय परिवारों की कमर तोड़ दी गई, क्योंकि उन पर भारी जीएसटी थोप दिया गया।

संजय सिंह ने आरोप लगाया कि जीएसटी के नाम पर जनता की जेब से लाखों-करोड़ों रुपये लूटे गए। उन्होंने कहा कि जीएसटी नियमों में सैकड़ों बार बदलाव करके व्यापारियों और आम जनता को परेशान किया गया। पेट्रोल-डीजल पर भारी टैक्स लगाकर सरकार ने अपना खजाना भरा। अब आठ साल बाद प्रधानमंत्री जीएसटी कम करने की बात करके क्रांतिकारी परिवर्तन का सपना दिखा रहे हैं।

संजय सिंह ने सवाल उठाया कि अगर सुधार ही करना था, तो पहले जीएसटी थोपकर जनता को क्यों लूटा गया? आठ साल तक टैक्स की जबरन वसूली क्यों की गई?

वास्तविक आर्थिक जरूरतमंदों को दिया जाना चाहिए आरक्षण: सुप्रिया

» बयान देकर फंसी एनसीपी नेता, विवाद बढ़ता देख संविधान का जिक्र कर दी सफाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। जाति जनगणना और आरक्षण पर चल रही बहस पूरे भारत में विरोध और चर्चाओं को जन्म दे रही है। इस मुद्दे पर बोलते हुए, एनसीपी सांसद ने जोर देकर कहा कि आरक्षण केवल जाति या समुदाय के आधार पर नहीं, बल्कि वास्तविक आर्थिक जरूरतमंदों को दिया जाना चाहिए। सुप्रिया के इस बयान के बाद विपक्षी दलों ने उनकी आलोचना शुरू कर दी। अब विवाद बढ़ता देख सुले ने सफाई दी है।

उन्होंने कहा कि मैं बहुत स्पष्ट हूं कि हमें सबको बाबासाहेब आंबेडकर द्वारा लिखे संविधान का पालन करना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि ये देश संविधान पर चले। इसके साथ ही सुले ने पार्टी के ओबीसी सेल के प्रदेश अध्यक्ष राज राजापुरकर को सरकार से सुरक्षा देने की मांग की है। आपको बता दें कि बीते दिनों एनडीटीवी के एक युवा कार्यक्रम में बोलते हुए, सुले ने कहा था कि आरक्षण पीढ़ी-दर-पीढ़ी हर जाति या समुदाय को नहीं दिया जाना चाहिए।

मोदी के संबोधन पर फारूक का प्रहार

» नेकां नेता बोले- पीएम को जम्मू-कश्मीर के पूर्ण राज्य के दर्जे के बारे में बात करनी चाहिए थी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। नेशनल कांफ्रें स (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की बात करनी चाहिए थी। मोदी ने अपने संबोधन में लोगों को जीएसटी सुधार के फायदे बताए। अब्दुल्ला ने कहा, आप जीएसटी की बात कर रहे हैं, अच्छा होता अगर आपने हमारे राज्य के पूर्ण दर्जे पर बात की होती।

जब उनसे पूछा गया कि क्या नेकां को उच्चतम न्यायालय से अनुकूल फैसले की उम्मीद है, तो अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर का हर नागरिक राज्य का दर्जा बहाल होने की उम्मीद लगाए बैठा है। राज्य का दर्जा बहाल करने के मुद्दे पर याचिका अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध है। उन्होंने कहा, सिर्फ नेशनल कांफ्रेंस ही नहीं, बल्कि सभी को उम्मीद है कि हमें फिर से राज्य का दर्जा मिलेगा। जेकेएलएफ के अध्यक्ष यासीन मलिक के मुकदमे से संबंधित एक सवाल पर पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अदालत का विषय है। उन्होंने कहा, फैसला अदालत करती है। अदालत ही तय करेगी। हमारी इसमें कोई भूमिका नहीं है। वह आतंकवाद को वित्तपोषित करने के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहा है। उस पर कई मामले लंबित हैं, जिनमें 1990 में रुबैया सईद के अपहरण और रावलपोरा में वायुसेना के कर्मियों पर हमले का मामला भी शामिल है।

जम्मू-कश्मीर में शासन व्यवस्था 'उस्तरे की धार पर चलने जैसी'

अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर में शासन व्यवस्था को 'उस्तरे की धार पर चलने जैसा' करार दिया। उन्होंने कहा, लेकिन हमें उस पर चलना है और पीछे नहीं हटना है। डोडा से आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक मेहराज मलिक की गिरफ्तारी को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में अब्दुल्ला ने कहा कि विधायक द्वारा इस्तेमाल की गई अनुचित थी, लेकिन उन्हें सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत गिरफ्तार करना भी गलत था। उन्होंने कहा, मलिक द्वारा इस्तेमाल किए गए शब्द अनुचित थे, लेकिन पीएसए लगाना (भी) गलत था। इसे बातचीत से सुलझाया जा सकता था, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। उन्होंने कहा कि निर्वाचित सरकार के पास पीएसए हटाने का अधिकार नहीं है। अब्दुल्ला ने कहा, हमारे पास यह अधिकार नहीं है, यह उपराज्यपाल के पास है।

पंत का वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलना मुश्किल

» विकेटकीपर बल्लेबाज चोट के चलते हो सकता है सीरीज बाहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एशिया कप के बाद भारतीय टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। इसके लिए अगले कुछ ही दिनों में भारतीय टीम का एलान हो सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत का इस सीरीज के लिए चुना जाना मुश्किल है क्योंकि वह अब भी चोट से पूरी तरह नहीं उबर सके हैं। टीम के चयन के लिए इस सप्ताह अजीत अगरकर की अध्यक्ष वाली चयन समिति की बैठक होनी है।

पंत इस सीरीज का हिस्सा नहीं होंगे ये लगभग तय है, लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि इंग्लैंड दौरे के लिए चुने गए अनुभवी बल्लेबाज करुण नायर को दूसरी बार मौका मिलेगा या नहीं? चयन समिति की बैठक बुधवार या गुरुवार को आनलाइन होगी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच पहला टेस्ट दो से छह अक्तूबर तक अहमदाबाद में खेला जाएगा, जबकि दूसरा टेस्ट दिल्ली में 10 से 14 अक्तूबर को होगा। यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, बी साई सुदर्शन और कप्तान शुभमन गिल का चयन तय है, जबकि ध्रुव जुरेल विकेटकीपर होंगे क्योंकि ऋषभ पंत अभी तक फिट नहीं हुए हैं। सभी के फिट होने पर तीन विशेषज्ञ स्पिनर रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव और वॉशिंगटन सुंदर होंगे। तेज गेंदबाजों में मोहम्मद सिराज का खेलना तय है जबकि जसप्रीत बुमराह को ब्रेक दिया जा सकता है। अतिरिक्त बल्लेबाज के तौर पर देवदत्त पड्डिकल के नाम पर विचार किया जा सकता है।

गांगुली निर्विरोध चुने गए सीएबी के अध्यक्ष

कोलकाता। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली को निर्विरोध बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) के अध्यक्ष चुने गए हैं। गांगुली को सीएबी की वार्षिक आम बैठक के दौरान अगला अध्यक्ष चुना गया। इसके साथ ही उन्होंने छह साल बाद राज्य क्रिकेट संघ में वापसी की है। इससे पहले वह 2015 से 2019 तक सीएबी के अध्यक्ष रह चुके हैं। फिर उन्होंने भारतीय बीसीसीआई का अध्यक्ष पद संभाला था। गांगुली की अगुआई वाला पूरा पैनल निर्विरोध चुना गया। अध्यक्ष बनने के बाद गांगुली ने ईडन गार्डन्स की दर्शक क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया और बताया कि उनका लक्ष्य क्षमता को करीब एक लाख तक करना है। इसके अलावा अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप के मैचों की मेजबानी हासिल करना भी है। उन्होंने यह भी वादा किया कि 14 नवंबर को जब भारत विश्व टेस्ट चैंपियन दक्षिण अफ्रीका की मेजबानी करेगा, तो ईडन गार्डन्स में टेस्ट क्रिकेट की वापसी सुचारू रूप से सुनिश्चित करेंगे।

नेता प्रतिपक्ष का पीएम मोदी पर करारा प्रहार

केंद्र ने लोगों के हितों का ध्यान नहीं रखा : राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद का आरोप : युवा बेरोजगारी की वजह भाजपा की वोट चोरी है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर भाजपा व पीएम मोदी पर तीखा हमला किया। कांग्रेस नेता ने मंगलवार को दावा किया कि देश में युवाओं की बेरोजगारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा की गई वोट चोरी का सीधा परिणाम है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र ने लोगों के हितों का ध्यान नहीं रखा है और संस्थानों पर कब्जा करके सत्ता में बनी हुई है।

कांग्रेस नेता ने एक्स पर पोस्ट किया, भारत में युवाओं की सबसे बड़ी समस्या बेरोजगारी है – और यह सीधे तौर पर वोट चोरी से जुड़ी है।

जब कोई भी सरकार लोगों का विश्वास जीतकर सत्ता में आती है, तो उसका पहला कर्तव्य युवाओं को रोजगार और अवसर प्रदान करना होता है। लेकिन भाजपा ईमानदारी से चुनाव नहीं जीतती – वे वोट चुराकर और संस्थानों को बंदी बनाकर सत्ता में बनी रहती है।

संस्थानों पर भाजपा के कब्ज़े के कारण देश में नौकरियों में गिरावट

कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि संस्थानों पर भाजपा के कब्ज़े के कारण देश में नौकरियों में गिरावट, भर्ती प्रक्रियाएँ चरमरा रही हैं और युवाओं का भविष्य अंधकार में जा रहा है। गांधी ने अपनी पोस्ट में लिखा है कि देश का युवा कड़ी मेहनत करता है, सपने देखता है और अपने भविष्य के लिए संघर्ष करता है। लेकिन श्री मोदी केवल अपने प्रचार, मशहूर हस्तियों से अपनी प्रशंसा करवाने और अरबपतियों के मुनाफ़े में व्यस्त हैं। युवाओं की उम्मीदों को तोड़ना और उन्हें हताश करना इस सरकार की पहचान बन गई है।

अब धीरे-धीरे देश में बदलाव आ रहा है

उन्होंने उल्लेख किया कि बदलाव आ रहा है क्योंकि देश का युवा न तो नौकरियों की लूट और न ही वोटों की चोरी बर्दाश्त करेगा। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष बार-बार बड़े पैमाने पर व्यवस्थित चुनावी धोखाधड़ी का आरोप लगाते रहे हैं और दावा करते रहे हैं कि विपक्षी दलों के वोटों को ख़ास तौर पर निशाना बनाया गया है। उन्होंने कहा है कि जल्द ही वह सबूतों का एक हाइड्रोजन बम जारी करेंगे जो स्पष्ट रूप से साबित कर देगा कि प्रधानमंत्री मोदी कथित वोट चोरी में शामिल थे।

23 महीने बाद जेल से रिहा होंगे आजम खान

» परिजनों के साथ उमड़ी समर्थकों की भीड़

» शिवपाल बोले- अदालत ने दी राहत, सपा ने की हरसंभव मदद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सीतापुर। जिला कारागार से 23 माह बाद मंगलवार करीब 12:20 बजे आजम खां रिहा हो गए हैं। जिला कारागार से दो गाड़ियां बाहर आई हैं। एक गाड़ी में आजम खां चार लोगों के साथ बैठे हैं। इनमें उनके पुत्र अदीब, अब्दुल्ला, उनके प्रतिनिधि व दो अन्य लोग हैं। दूसरी गाड़ी में आजम खां का सामान है। यह वही सामान है, जो उनके साथ कारागार में था। इनमें उनकी किताबें, कपड़े व अन्य सामान शामिल है। इससे पहले इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने उन्हें विवादास्पद रामपुर 'क्वालिटी बार' भूमि हड़पने के मामले में जमानत दे दी थी।

न्यायमूर्ति समीर जैन की एकल पीठ ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद 21 अगस्त को आदेश सुरक्षित रख लिया था। जेल में बंद खान ने 17 मई, 2025 को रामपुर एमपी-एमएलए अदालत द्वारा उनकी जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद उच्च न्यायालय का रुख किया था।

जेल में बंद खान ने 17 मई, 2025 को रामपुर की एमपी-एमएलए अदालत द्वारा अपनी ज़मानत याचिका खारिज किए जाने के बाद उच्च न्यायालय का रुख किया था। यह मामला उन आरोपों से संबंधित है कि खान ने अन्य लोगों के साथ मिलकर रामपुर के सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के अंतर्गत सैद नगर हरदोई पट्टी में राजमार्ग पर स्थित लोकप्रिय क्वालिटी बार की ज़मीन पर अवैध रूप से कब्ज़ा कर लिया। यह विवाद 21 नवंबर, 2019 का है, जब बार के मालिक गगन अरोड़ा ने अतिक्रमण का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई थी। उनकी शिकायत पर कार्रवाई करते हुए, तत्कालीन राजस्व निरीक्षक अनंगराज सिंह ने रामपुर नगर पालिका अध्यक्ष सैयद जाफ़र अली जाफ़री, आज़म खान की पत्नी और पूर्व सांसद तज़ीन फ़ात्मा और उनके बेटे, पूर्व विधायक अब्दुल्ला आज़म खान सहित कई लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की।

सरकार ने उन्हें झूठे मामलों में फंसाया था : शिवपाल

आजम खान की आज सीतापुर जेल से रिहाई पर पार्टी विधायक शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि सरकार ने उन्हें झूठे मामलों में फंसाया था। लेकिन अदालत ने उन्हें राहत दे दी। इसलिए, हम अदालत के फैसले का स्वागत करते हैं...सपा उन्हें हर संभव मदद दे रही है।

एलआईयू, ड्रोन टीम व पीएसी रही मुस्तैद

बता दें कि आजम खां की रिहाई को लेकर मंगलवार सुबह से ही एलआईयू की टीमें, ड्रोन टीम व पीएसी के जवान मुस्तैद रहे। एएसपी उत्तरी आलोक सिंह, प्रशिक्षु आईपीएस विनायक भोंसले, यातायात निरीक्षक फरीद अहमद व करीब आठ थानों की फोर्स मौजूद रही। जिला कारागार के सामने ओवर ब्रिज पर भी खड़े लोगों को पुलिस हटाती नजर आई। इसके पहले, रामपुर एमपी एमएलए कोर्ट में जुर्माना जमा होने के बाद आधिकारिक मेल जिला कारागार सीतापुर पहुंची। जिला कारागार ई मेल पहुंचने के बाद आजम खां रिहा हुए। 3 - 3 हजार के दो जुर्माने कोर्ट में जमा हुए।

निर्माणाधीन छत ढहने से तीन मजदूरों की जान गई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुल्तानपुर। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर जिले में एक दर्दनाक हादसा हुआ है। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि लम्भुआ थाना क्षेत्र के धरियामऊ गाँव में एक निर्माणाधीन मकान की छत गिरने से दो भाइयों समेत तीन मजदूरों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए।

जिलाधिकारी कुमार हर्ष और पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने स्थिति का जायजा लेने के लिए घटनास्थल का दौरा किया। सुलतानपुर जिले में निर्माणाधीन मकान की छत गिरने से दो सगे भाइयों समेत तीन मजदूरों की मलबे में दबने से मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। लम्भुआ थाने के प्रभारी सन्दीप राय ने बताया कि धरियामऊ गांव के रहने वाले राम तीर्थ धुरिया के मकान का निर्माण चल रहा है और सोमवार रात लगभग आठ बजे के आसपास निर्माणीन मकान की छत भरभरा कर गिर गयी। उन्होंने बताया कि इस घटना में अर्जुनपुर निवासी आनन्द (23) व उसके भाई विक्रम (20) तथा हिमांशु (22) की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए।

सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार को लगाई फटकार

» शीर्ष अदालत ने कहा- पूर्व नेताओं के महिमामंडन के लिए सरकारी धन का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को तमिलनाडु सरकार को फटकार लगाते हुए साफ कहा कि पूर्व नेताओं के महिमामंडन के लिए सरकारी धन का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। अदालत ने तिरुनेलवेली जिले में पूर्व मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि की प्रतिमा लगाने की अनुमति मांगने वाली सरकार की याचिका खारिज कर दी।

जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने सुनवाई के दौरान कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि आप अपने पूर्व नेताओं के महिमामंडन के लिए सार्वजनिक धन का इस्तेमाल क्यों कर रहे हैं? इसकी अनुमति नहीं है।

अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि जनता के पैसे का उपयोग केवल जनता के हित में होना चाहिए। न कि राजनीतिक व्यक्तित्वों की प्रशंसा के लिए। अदालत ने अपने आदेश में यह भी दोहराया कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में नेताओं का सम्मान जनता के दिलों में होना चाहिए, न कि सरकारी पैसे से बनाई गई प्रतिमाओं और पट्टिकाओं के जरिए। कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया कि करदाताओं के पैसे से नेताओं का महिमामंडन संविधान और लोकतांत्रिक सिद्धांतों की भावना के खिलाफ है।

करुणानिधि की प्रतिमा लगाना चाहती थी राज्य सरकार

राज्य सरकार ने तिरुनेलवेली जिले के वल्लियूर डेली वेजिटेबल मार्केट के सार्वजनिक प्रवेश द्वार के पास करुणानिधि की कांस्य प्रतिमा और नाम पट्टिका लगाने की अनुमति मांगी थी। इससे पहले मद्रास हाईकोर्ट ने स्पष्ट कर दिया था कि राज्य सरकार सार्वजनिक स्थानों पर प्रतिमाएं लगाने का आदेश जारी नहीं कर सकती। इसी आदेश को चुनौती देते हुए सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंची थी।

मानवता शर्मसार: युवक को पीट-पीटकर मार डाला

» भाई ने दोस्तों के साथ मिलकर बहन के प्रेमी की हत्या की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाई ने दोस्तों के साथ मिलकर बहन के प्रेमी की हत्या कर दी । यह सनसनी खेज मामला राजधानी लखनऊ से आया है। बाततें हैं मृतक का आरोपी की बहन से पिछले चार सालों से अफेयर था। इससे नाराज भाई ने युवक को शादी की बात करने के बहाने से घर बुलाया। इसके बाद ईंट से कई वार कर सिर फोड़ दिया। घायल युवक को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

घटना सआदतगंज इलाके में सोमवार रात डेढ़ बजे हुई। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। एक अन्य अब भी फरार है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है। मृतक की पहचान सआदतगंज के हातानूर बेग के रहने वाले 22 वर्षीय अली अब्बास के रूप में हुई है। आरिफ जमीर ने बताया- अली और युवती ने कुछ समय पहले शादी की इच्छा जाहिर की थी। इसी सिलसिले में बातचीत करने अली युवती के घर गया था।

ईंट से सिर पर हमला किया

परिजनों का आरोप है कि युवती के भाई हिमालय प्रजापति (26) ने अली को सोमवार रात करीब डे? बजे मिलने बुलाया। यहां पहले से मौजूद सोनू और सौरभ प्रजापति (30) के साथ मिलकर अली को लाठी डंडों से पीटा। ईंट से उसके सिर पर कई वार किए। गंभीर रूप से घायल अली को ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया। अली के परिवार में तीन बहनें और एक भाई है। पिता आरिफ जमीर ई रिक्शा चलाते हैं।

एफआई दर्ज, दो गिरफ्तार

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मृतक के घर के बाहर लोगों की भी? जमा हो गई। घटना को लेकर इलाके में तनावपूर्ण स्थिति है। सहादतगंज थाने में पिता की तहरीर पर हत्या का केस दर्ज कर लिया गया है। मामले में अब तक हिमालय और सौरभ की गिरफ्तारी कर ली गई है, जबकि सोनू की तलाश अब भी जारी है।

कार और कैंटर में भीषण भिड़ंत, पांच लोगों की जिंदा जलकर मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अलीगढ़। अलीगढ़-कानपुर हाईवे पर गोपी ओवरब्रिज पर मंगलवार सुबह भीषण हादसा घटित हुआ। एक कार डिवाइडर पार कर सामने से आ रहे कैंटर से टकरा गई जिससे दोनों वाहनों में आग लग गई। कार में सवार चार लोग और कैंटर सवार की मृत्यु हो गई।

कार सवार एक व्यक्ति को लोगों ने बचा लिया उसे अस्पताल भेजा गया है। कार गलत दिशा से डिवाइडर पार करते हुए कैंटर से टकराई। अकराबाद क्षेत्र में यह हादसा सुबह लगभग 5:45 बजे हुआ। दमकल की गाड़ियां भी काफी देरी से पहुंची। कार अलीगढ़ से कानपुर की ओर जा रही थी। हादसे का कारण कार चालक को नींद आने या कार असंतुलित होना माना जा रहा है। शवों की अभी पहचान नहीं हुई है। मौके पर एसपी देहात अमृत जैन समेत आसपास के थानों का फोर्स मौजूद है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।